देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2021/us/02 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | रविवार, 14 मार्च 2021

मिलीभगत से हो रहे अवैध निर्माण

अवैध निर्माण की रोकी 40 फाइलें, खड़ी हो गई इमारतें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. अवैध निर्माण में मिलीभगत का खेल कैसे चल रहा है, यह गुरुवार को मालवीय नगर जोन कार्यालय में देखने को मिला। यहां करीब 40 अवैध निर्माण से संबंधित फाइलें तीन माह से दबाकर रख रखी थीं। जबकि, मौके पर कई अवैध निर्माण पूरे भी हो गए। दोपहर करीब 2:20 बजे महापौर सौम्या गुर्जर मालवीय नगर जोन कार्यालय पहुंची। यहां कनिष्ठ अभियंता अनिल कुमार बैरवा के पास अवैध निर्माण से संबंधित 40 फाइलें मिलीं। जिन पर बैरवा ने कोई टिप्पणी तक नहीं की थी। जबकि जोन उपायुक्त ने इन फाइलों पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दे रखे थे। महापौर ने जब इस बारे में कनिष्ठ अभियंता से पूछा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। महापौर ने उक्त अभियंता के खिलाफ उचित कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए। औचक निरीक्षण में पट्टे के प्रकरण भी लम्बित मिले। साथ ही सीवर ढक्कन को बदलवाने की शिकायतों पर महापौर ने शिकायतकर्ता से सीधे बात की तो पता चला कि कई बार शिकायत करने के बाद भी ढक्कन नहीं बदले गए हैं। महापौर ने सभी जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

गैराज शाखा मिली 'खाली'

महापौर ने गैराज शाखा का भी औचक निरीक्षण किया। वहां पर सभी कर्मचारी अनुपस्थित मिले। उपायुक्त के पास हैरिटेज का भी चार्ज है। ऐसे में वे हैरिटेज में हूपरों को हरी झंडी दिखवा रहे थे।

महापौर के निरीक्षण में खुली पोल

आवश्यक कार्रवाई की फाइलें भी मिली पेंडिंग

जयपुर | नगर निगम की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का आमजन को फायदा हो ... के लिए गुरुवार को ग्रेटर ... जोन ... तो ... फाइले ... ल्डिंग ... एवं ... जवाई ... पास ... समय ... र इतने ... पर कोई ... पट्टे की ... सामने ... इसे देख

JMC Greater Mayor Somya Gurjar assumed charge on Friday.

Na khaungi, na khane dungi, says Somya Gurjar

महापौर महोदया ने मालवीय नगर ज़ोन में अवैध निर्माणों के खेल में हो रही डील को किया उजागर!!!

पता:-S1,झारखंड अपार्टमेंट,सगत सिंह मोड,जनरल सगत सिंह मार्ग,खातीपुरा-302012 मोबाइल:-9828346151

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी

सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

मालवीय नगर ज़ोन के JEN अनिल कुमार बैरवा ने दबा रखी थी 40 फाईलें|?

जैसा कि हमारे द्वारा पूर्व में भी कई बार अवगत करवाया जा चूका है कि मालवीय नगर ज़ोन राज्य के भ्रष्टतम दफ्तरों में से एक है|हमारे दावे पर दिनांक 11/03/2021 को महापौर श्रीमति सौम्या गुर्जर ने औचक निरिक्षण कर मुहर भी लगा दी|अपने औचक निरिक्षण के दौरान महापौर महोदया द्वारा ज़ोन के JEN श्री अनिल कुमार बैरवा के कार्यकरण में भयंकर अनियमितता मिली|समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर के अनुसार भ्रष्टतम JEN श्री अनिल कुमार बैरवा द्वारा अवैध निर्माण से सम्बंधित 40 फाईले तीन माह से दबा रखी थी|जिन पर बैरवा ने कोई टिप्पणी तक नहीं की थी|जबकि ज़ोन उपायुक्त ने इन फाईलों पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दे रखे थे|गौरतलब है कि इन 40 अवैध निर्माणों में से कई पूरे भी हो गए|महापौर महोदया द्वारा ज़ोन के JEN श्री अनिल कुमार बैरवा के इस भ्रष्ट रवैये के खिलाफ उचित कार्यवाही के निर्देश अधिकारीयों को दिए|

अवैध निर्माणों के लिए बदनाम है मालवीय नगर ज़ोन, श्री सुरेश चौधरी है इस ज़ोन के उपायुक्त

महापौर की भुगतान के दौरान एसीबी से निगरानी की मांग

जयपुर @ पत्रिका. ग्रेटर निगम में आने वाले समय में करोड़ों रुपए के भुगतान होंगे। इसमें पारदर्शिता रहे, इसके लिए महापौर सौम्या गुर्जर ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिरीक्षक को पत्र लिखकर पर्यवेक्षक नियुक्त की मांग की है। इस तरह का पत्र निगम इतिहास में पहली बार लिखा गया है। हालांकि, कुछ लोग इसे महापौर और आयुक्त के विवाद की शुरुआत के तौर पर भी देख रहे हैं। इन लोगों का कहना है कि महापौर को खुद इसकी निगरानी करनी चाहिए थी, पत्र लिखने की जरूरत ही नहीं थी। पत्र में महापौर ने लिखा है कि ठेकेदारों और अन्य फर्म को करोड़ों का भुगतान जल्द ही किया जाएगा। भ्रष्टाचार मुक्त शासन के लिए हम संकल्पित हैं। दो तीन महीनों पर गौर करें तो जरूरी सेवाओं के ही निगम की ओर से भुगतान किए गए हैं। इनमें हिंगोनिया गोशाला और गैराज शाखा के कुछ भुगतान शामिल हैं। फायर का करीब चार करोड़ रुपए भुगतान हुआ है। यह पैसा निगम को मिला था।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि मालवीय नगर ज़ोन अवैध निर्माणों के लिए सबसे अधिक बदनाम ज़ोन है क्यूंकि यहाँ नीचे से लेकर ऊपर तक का स्टाफ अपने क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माणों की छतों की गिनती करने में ही व्यस्त रहता है,जानकारों के अनुसार एक अवैध छत डालने पर 1 से 2 लाख रूपये तक नगर निगम की न्योछावर में चले जाते है|वर्तमान में इस ज़ोन के सर्वेसर्वा उपायुक्त श्री सुरेश चौधरी हैजिनका पूर्व में भी कई विवादित अवैध निर्माणों में नाम उछल चुका है|

हमारे द्वारा भेजी गयी कई शिकायतों में पाप काट चुके है अनिल कुमार बैरवा

ज्ञात हो कि हमारे द्वारा मालवीय नगर ज़ोन में हो रहे सैकड़ों अवैध निर्माणों की सुचना ज़ोन के उपायुक्त श्री सुरेश चौधरी को दी है परन्तु उसके बावजूद ज़ोन के कर्मचारी उन शिकायतों पर लीपापोती करते नजर आ रहे है,इन महाशयों ने कई शिकायतों को निर्माण पुराना होना बताकर बंद कर दिया,कई शिकायतों को नोटिस देने की कागजी खानापूर्ति बता कर बंद कर दिया,जबकि कई शिकायतों को तो यह कह कर बंद कर दिया कि " अवैध निर्माणकर्ता को पाबंद किया"|जबकि आज तक सील एक को भी नहीं किया|

माँगा जायेगा एक एक अवैध निर्माण का हिसाब

महापौर महोदया द्वारा इस औचक निरिक्षण से भ्रष्ट अधिकारीयों को स्पष्ट संकेत दे दिया है कि अवैध निर्माणों में कार्यवाही करने में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी|वैसे भी वह आने वाले समय में निगम द्वारा ठेकेदारों को किये जाने वाले भुगतान में होने वाली रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ACB को पत्र लिख चुकी है|देखना यह है कि अवैध निर्माणों में हो रहे भ्रष्टाचार पर भी ACB नजर रखती है या नहीं|परन्तु जैसा भी हो हमारे द्वारा हर ज़ोन में हो रहे अवैध निर्माणों का हिसाब माँगा जायेगा|देखना यह है कि निगम के भ्रष्ट अधिकारी अपने अपने ज़ोन में हो रहे अवैध निर्माणों का हिसाब देते है या फिर उसमे भी कोई टांग अड़ाने की कोशिश करेंगे|